Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper
Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No. PBBIL/26/A0779

आईआईटी-जेईई और नीट अभ्यर्थियों के लिए 'त्रिग्या थ्राइव-2026' स्कॉलरशिप परीक्षा लॉन्च, 100% तक छात्रवृत्ति का अवसर

चंडीगढ़, 23 जुलाई। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंडीगढ़ प्रशासन के वित्त सचिव दीप्रवा लाकड़ा ने गुरुवार को 'त्रिग्या थ्राइव-2026' स्कॉलरशिप परीक्षा का शुभारंभ किया। सेक्टर-35 स्थित आईएमए ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और योग्यता आधारित अवसर देश के भविष्य की मजबूत नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर त्रिग्या एडुवेंचर के सह-संस्थापक एवं निदेशक परमेश्वर झा ने बताया कि थ्राइव-2026 परीक्षा कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएगी। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति, नकद पुरस्कार, मेरिट प्रमाणपत्र, शैक्षणिक सम्मान तथा वैज्ञानिक एवं शैक्षिक एक्सपोज़र कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

झा ने कहा कि थ्राइव-2026 केवल एक स्कॉलरशिप परीक्षा नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आईआईटी-जेईई और नीट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचाने का एक मंच है। उनका कहना था कि प्रत्येक योग्य विद्यार्थी को आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

कार्यक्रम में त्रिग्या एडुवेंचर के अन्य सह-संस्थापक रजत गर्ग, दलजीत सिंह और शैलेश गुप्ता भी मौजूद रहे। इसके अलावा ट्राईसिटी के अनेक स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक, अभिभावक और संस्थान के पूर्व विद्यार्थी भी शामिल हुए, जिन्होंने आईआईटी और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की है।

परीक्षा 14 और 17 अक्टूबर 2026 को चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला, हिमाचल प्रदेश तथा पार्टनर स्कूलों में ऑफलाइन आयोजित होगी, जबकि 15 से 18 अक्टूबर 2026 के बीच ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की जाएगी।

कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, गणित और मानसिक क्षमता से संबंधित 100 अंकों के 50 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। वहीं, कक्षा 11वीं और 12वीं के इंजीनियरिंग एवं मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार किए गए हैं, जिनमें 36 बहुविकल्पीय प्रश्न कुल 144 अंकों के होंगे। प्रश्नों का स्तर जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप रखा जाएगा।

निहाल सिंह वाला में ₹83.64 करोड़ की नहरी सिंचाई परियोजनाओं का उद्घाटन, 25,872 एकड़ भूमि को मिलेगा लाभ

चंडीगढ़/मोगा, 23 जुलाई। पंजाब सरकार के हर खेत तक नहरी पानी पहुंचाने के अभियान के तहत जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने मोगा जिले के निहाल सिंह वाला विधानसभा क्षेत्र में 83.64 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न नहरी सिंचाई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि भूमि तक नहरी पानी पहुंचाने, भूजल संरक्षण और किसानों की सिंचाई लागत कम करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है।

मंत्री ने बताया कि परियोजना के तहत 316 किलोमीटर लंबी नहरों, खालों और पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा, जिससे 56 गांवों की 25,872 एकड़ कृषि भूमि को नहरी सिंचाई का लाभ मिलेगा। इससे किसानों की ट्यूबवेलों पर निर्भरता घटेगी, बिजली की बचत होगी और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि राऊके कलां क्षेत्र में 36.84 करोड़ रुपये की लागत से 20 खालों एवं पाइपलाइन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जिससे 22 गांवों की 10,340 एकड़ भूमि लाभान्वित होगी।

पंजाब सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के लिए जारी किए 1,583 करोड़ रुपये,

चंडीगढ़, 23 जुलाई। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ने राज्य सूचना आयुक्त पंजाब एवं प्रख्यात लेखक हरप्रीत संधू को साहित्य, पुस्तक संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।

कुलपति डॉ. रेणु विग ने कहा कि हरप्रीत संधू ने पुस्तकों के महत्व को बढ़ावा देने, साहित्यिक योगदान के माध्यम से विश्वविद्यालय पुस्तकालय को समृद्ध बनाने तथा चित्रकला और लेखन के जरिए पंजाब यूनिवर्सिटी की प्राकृतिक एवं विरासती धरोहर को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शैक्षणिक समुदाय में पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा ज्ञान के प्रसार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की।

मान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत जून तक ₹2,150.73 करोड़ जारी किए, 35.90 लाख लाभार्थियों को मिली समय पर वित्तीय सहायता

चंडीगढ़, 23 जुलाई। पंजाब सरकार ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए चालू वित्तीय वर्ष में जून 2026 तक विभिन्न योजनाओं के तहत 2,150.73 करोड़ रुपये जारी किए हैं। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सके।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 35.90 लाख लाभार्थी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। इन योजनाओं के निर्बाध संचालन और समय पर सहायता राशि के वितरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6,131.91 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और जनकल्याण के प्रति सरकार की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि जून 2026 तक वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 1,423.33 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं, जिससे राज्य के लगभग 23.77 लाख वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिला है। इसके अलावा 727.40 करोड़ रुपये अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत जारी किए गए हैं, जिनका लाभ लगभग 12.13 लाख विधवाओं, आश्रित बच्चों और अन्य जरूरतमंद वर्गों को मिला है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि समय पर पेंशन और वित्तीय सहायता का वितरण बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों तथा अन्य जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ये योजनाएं लाखों परिवारों के लिए मजबूत सहारा साबित हो रही हैं और राज्य के सामाजिक सुरक्षा तंत्र को और अधिक सशक्त बना रही हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य का कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

लुधियाना में बागवानी विकास केंद्र का निर्माण तय समय में पूरा करें: मोहिंदर भगत

चंडीगढ़, 23 जुलाई। पंजाब के बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने लुधियाना में निर्माणाधीन बागवानी विकास केंद्र के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को परियोजना में तेजी लाने और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र राज्य में बागवानी क्षेत्र को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने और फसली विविधीकरण को गति देने में अहम भूमिका निभाएगा।

समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी बनाने के लिए बागवानी को विशेष प्राथमिकता दे रही है। सरकार किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ फल, सब्जी, फूल और अन्य बागवानी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही है, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो और खेती अधिक टिकाऊ एवं लाभदायक बन सके।

उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से राज्य में आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। लुधियाना में बन रहा बागवानी विकास केंद्र किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली पौध सामग्री, आधुनिक बागवानी तकनीकों, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञों से तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। इससे किसानों को नई तकनीकों को अपनाने में मदद मिलेगी और बागवानी क्षेत्र में उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों में सुधार आएगा।

मोहिंदर भगत ने कहा कि यह केंद्र केवल प्रशिक्षण का संस्थान नहीं होगा, बल्कि बागवानी से जुड़े अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण केंद्र भी बनेगा। इससे राज्य में फसली विविधीकरण को मजबूती मिलेगी और किसान पारंपरिक फसलों पर निर्भरता कम कर अधिक लाभकारी विकल्पों की ओर बढ़ सकेंगे।

कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Advertisement

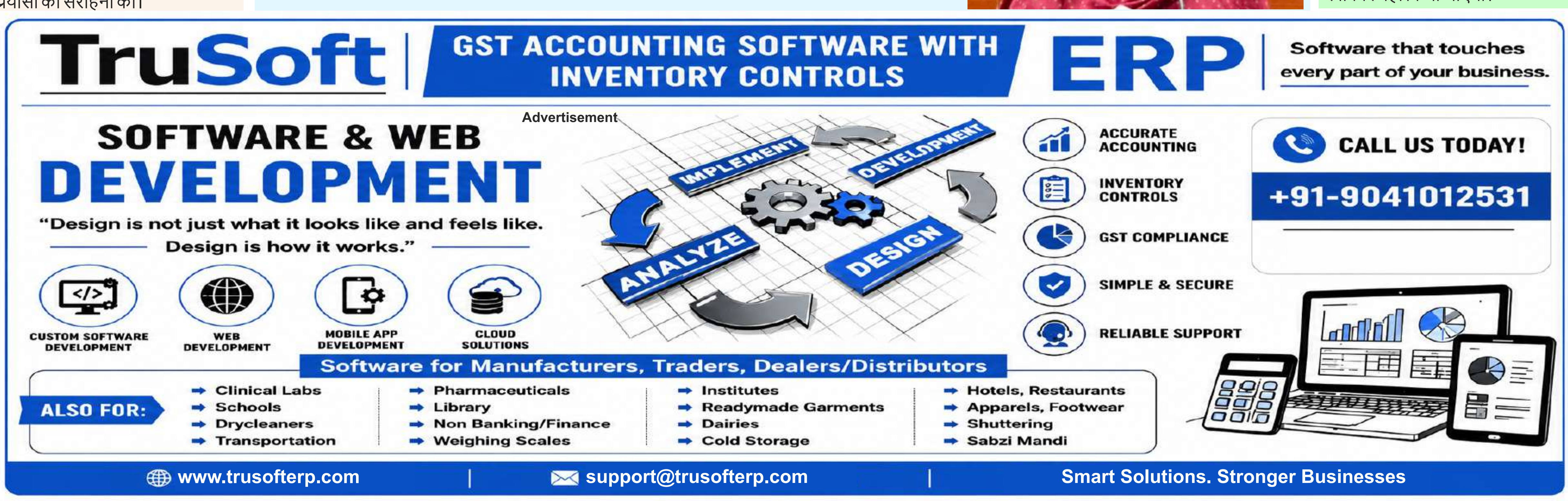

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015